कवितावली

तुलसीदास

संकेत – किसबी — — – — — पेटकी।

1 - इस संसार में किसको पेट भरने की चिंता सताती है?

उत्तर - इस संसार में पेट भरने के लिए किसान कुल, व्यापारी, वर्ग, भिक्षुक, नौकर, नट, चोर, जासूस तथा जादूगर को यही चिंता सताती रहती है कि किस तरह वो वे अधिक से अधिक अपने कार्य में पारंगत हो जाएं जिससे अधिक से अधिक धन की प्राप्ति हो सके।

2 - कलयुग में लोग अपना पेट भरने के लिए क्या-क्या करने से भी नहीं चूकते?

उत्तर - कलयुग में लोग अपना पेट भरने के लिए लोग धर्म, अधर्म, ऊँचे-नीचे कार्य करते हैं, यहाँ तक कि अपनी पेट की भूख को शांत करने के लिए अपनी संतान को बेचने जैसा नीच कार्य करने से भी नहीं चूकते हैं।

3 - कवि के अनुसार पेट की आग बुझाने में कौन समर्थ है?

उत्तर - कवि के अनुसार पेट की आग बुझाने में राम रूपी बादल समर्थ है क्योंकि राम की कृपा ही समस्त प्राणियों को पीड़ा से मुक्ति दिलाती है।

4 - बड़वागिते का आशय स्पष्ट करते हुए यह बताइए कि इससे भयंकर क्या है?

उत्तर - बड़वागिते का आशय है समुद्र समुद्र में लगने वाली आग। कवि ने पेट की आग अर्थात् जठराग्नि को बड़वागिते से भी

भयंकर बताया है क्योंकि पेट की आग या भूख मनुष्यों को अधर्म के पथ पर चलने के लिए विवश कर देती है।

शिल्प सौंदर्य पर आधारित -

भाषा - ब्रज भाषा
शैली - प्रतीकात्मक
छंद कवित्त
रस भक्ति रस
काल भक्ति काल
अलंकार - आग - दानस्याग - रूपक अलंकार
दारिद्र - दसानन रूपक अलंकार
दारिद्र दसानन दबाई दुनी दीनबंधु - अनुप्रास अलंकार
किसबी किसानकुल, चोर चार चेटकी - अनुप्रास अलंकार
अभिधा शब्द शक्ति का प्रयोग

खेती न - - - - - - - हहा करी।

1. समाज में किसका अभाव है और लोग किससे पीड़ित
उत्तर - समाज में रोजगार का अभाव है। लोग उपयुक्त होने के बावजूद भी साधन के अभाव में भूख से पीड़ित है।

2. आजीविका से विहीन लोग क्या सोचने के लिए विवश हो गए?
उत्तर - आजीविका से विहीन लोग दुविधा की स्थिति में है। उन्हें यह समझ में नहीं आ रहा है कि आर्थिक विपत्ति से बचने के लिए वे क्या करें? किसके पास जाएं? इस समय कौन इतना सामर्थशाली है जो उन्हें दुख और परेशानियों से मुक्ति दिला सके।

3- तत्कालीन स्थिति से निपटने के लिए वेद और पुराण में क्या उल्लेख है?

उत्तर - तत्कालीन स्थिति से निपटने के लिए वेद और पुराण में राम की भक्ति को आधार माना गया है क्योंकि लोगों की पीड़ा को दूर करने में प्रभु की भक्ति ही सहायक है। तुलसीदास ने कहा भी है —

मंगल भवन अमंगल हारी। द्रवहु सुदशरथ अजर बिहारी

धूत कहौं - - - - - - देवको दोऊ।

1- काव्यांश के माध्यम से कवि ने किस पर व्यंग्य किया है?

उत्तर - काव्यांश के माध्यम से कवि ने जाति प्रथा पर व्यंग्य किया है। उनका मानना है कि कोई चाहे कुछ भी कहे मुझपर कोई फर्क नहीं पड़ने वाला क्योंकि मेरे लिए राम की भक्ति की भक्ति ही अनमोल है।

2- कवि को संसार के लोगों से मतलब क्यों नहीं है?

उत्तर - कवि को संसार के लोगों से मतलब नहीं है क्योंकि संसार के लोग जाति और धर्म में ही लगे रहते है जिससे कवि का कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने श्रीराम की भक्ति में स्वयं को पूरी तरह लीन कर लिया है।

शिल्प सौंदर्य पर आधारित -

छंद - सवैया

रस - भक्ति

अलंकार - देवको दोऊ - अनुप्रास अलंकार